Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)
Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)
Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)
Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)
Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)
FRIENDS!
WE USED TESTZONE
AND CRACKED BANK EXAMS
बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज
IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A FREE MOCK TEST
Smartkeeda
The Question Bank

Hindi Passage Quiz 3

निम्नलिखित गद्यांश का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दें:

पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी 'ट्रैफिकिंग इन पर्संस' रिपोर्ट-2020 भारत में मानव तस्करी को लेकर कुछ अहम तथ्यों की ओर ध्यान खींचती है। रेटिंग के हिसाब से देखा जाए तो भारत को पिछले साल की तरह इस बार भी टियर-2 श्रेणी में ही रखा गया है। आधार यह कि सरकार ने 2019 में इस बुराई को मिटाने की अपनी तरफ से कोशिश जरूर की लेकिन मानव तस्करी रोकने से जुड़े न्यूनतम **मानक** फिर भी हासिल नहीं किए जा सके।

ध्यान रहे, सरकारी कोशिशों के इसी पैमाने पर रिपोर्ट ने पाकिस्तान को पहले से एक दर्जा नीचे लाते हुए टियर-2 वॉच लिस्ट में रखा है, जबकि चीन को और भी नीचे टियर-3 में। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सरकार अपनी तरफ से इस समस्या को खत्म करने की कोशिश भी नहीं कर रही। बरहाल, भारत के बारे में रिपोर्ट कहती है कि यह आज भी वर्ल्ड ह्यूमन ट्रैफिकिंग के नक्शे पर एक अहम ठिकाना बना हुआ है। इसके उलट अगर हम नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति लगातार बेहतर होती दिख रही है।

एनसीआरबी के मुताबिक साल 2016 में भारत में आईपीसी के तहत ह्यूमन ट्रैफिकिंग के 5217 मामले दर्ज किए गए थे। 2017 में यह संख्या घट कर 2,854 हो गई और इसके अगले साल यानी 2018 में और कम हो कर 1830 पर आ गई। दिक्कत यह है कि इन आंकड़ों से इस बात का पता नहीं चलता कि यह बेहतरी आखिर कैसे हासिल की जा रही है। वहीं हमारा सामना इस संदेह से होता है कि कहीं इसके पीछे यह कड़वी हकीकत तो नहीं कि किन्हीं कारणों से मानव तस्करी के मामले दर्ज ही कम हो पा रहे हैं। परिस्थितिजन्य **साक्ष्य** इस संदेह को मजबूती देते हैं।

देश-विदेश के लोगों की मानसिकता नहीं बदली है। श्रम शोषण और यौन शोषण की स्थितियां ज्यों की त्यों हैं। बेशक, एक राज्य सरकार ने पिछले साल मुजफ्फरपुर शेल्टर हाउस कांड जैसे चर्चित मामले में चुस्ती दिखाई, लेकिन मामला उजागर करने में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। भारत में कमजोर तबकों के शोषण को लेकर यहां की कानून-व्यवस्था की सक्रियता का अंदाजा इस बात से मिलता है कि 1976 से अब तक सरकारी तौर पर करीब 3 लाख 13 हजार बंधुआ मजदूरों की ही पहचान हो पाई है जबकि इस काम में लगे स्वयंसेवी संगठनों के मुताबिक देश में ह्यूमन ट्रैफिकिंग के पीड़ितों की संख्या कम से कम 80 लाख है, जिनका बड़ा हिस्सा बंधुआ मजदूरों का है।

रिपोर्ट में मामले का एक और पहलू यह उभर कर आया है कि पुलिस अक्सर पीड़ितों के खिलाफ उन कार्यों में भी मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर देती है, जो ट्रैफिकर उनसे जबरन करवाते हैं। इससे एक तरफ पीड़ितों के कानून-व्यवस्था की शरण में आने की **संभावना** कम होती है, दूसरी तरफ ट्रैफिकर्स का शिकंजा उन पर और कस जाता है।

1. वर्ष 2016 में ट्रैफिकिंग के कितने मामले दर्ज थे?

A. 5217
B. 2851
C. 2815
D. 256
E. 6027

2. रिपोर्ट के अनुसार भारत में ट्रैफिकिंग की कम मामले दर्ज होने का मूल कारण क्या है?

A. भारत में कम ट्रैफिकर्स का होना
B. भारत की कठोर कानून-व्यस्था
C. लोगो द्वारा काम रिपोर्ट दर्ज करना
D. लोगो में जागरूकता
E. उपरोक्त सभी

3. गद्यांश में "एनसीआरबी" द्वारा दी गयी रिपोर्ट में भारत में ह्यूमन-ट्रैफिकिंग में आयी कमी का मूल कारण क्या है?

A. सक्रीय कानून व्यव्य्स्था
B. लोगो में जागरूकता
C. ट्रैफिकर्स की संख्या में आई भारी गिरावट
D. ट्रैफिकर्स की देख-रेख में काम कर रहे NGO की कुशल कार्य-शैली
E. इनमें से कोई नहीं

4. दिए गए रिपोर्ट में चीन को किस श्रेणी में रखा गया है?

A. टियर-3
B. टियर-2
C. टियर-1
D. टियर-4
E. टियर-5

5. गद्यांश में दिया गया शब्द "संभावना" में कौन सा उपसर्ग है?

A. सं
B. सम
C. भावना
D. सम्
E. B और D दोनों

6. रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा मामले किस वर्ष दर्ज किये गए?

A. 2016
B. 2017
C. 2015
D. 2018
E. 2014

7. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "साक्ष्य" के समान अर्थ विकल्पों में दिया गया शब्द प्रकट नहीं करता है?

A. गवाही
B. प्रमाण
C. दिखाई देनेवाला
D. अदृश्य
E. इनमे से कोई नहीं

Smartkeeda The Question Bank

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "मानक" के समान अर्थ दिए गए विकल्पों में कौन सा शब्द प्रकट करता है?

A. नमूना

B. प्रतिमान

C. प्रतिरूप

D. B और C दोनों

E. उपरोक्त सभी

9. रिपोर्ट के अनुसार कौन सा देश आज भी ह्यूमन-ट्रैफिकिंग का अहम् ठिकाना बना हुआ है?

A. भारत

B. पाकिस्तान

C. चीन

D. B और D दोनों

E. समस्त विश्व

10. उपरोक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक क्या होना चाहिए?

A. मानव-तस्करी

B. भारत में मानव तस्करी

C. ह्यूमन-ट्रैफिकिंग : खोह में जाती जिंदगियां

D. ह्यूमन-ट्रैफिकिंग : विश्व और भारत

E. ह्यूमन-ट्रैफिकिंग से जुझती दुनिया

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	C	E	A	D	A	D	E	A	C

Explanation:

1. **"एनसीआरबी के मुताबिक साल 2016...."** गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता कि वर्ष 2016 में भारत में कुल 5217 मामले दर्ज किये गए थे।

   अतः विकल्प A सही चयन है।

2. **"रिपोर्ट में मामले का एक और पहलू यह उभर कर आया है..."** उपरोक्त गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता कि भारत में पीड़ित कानून-व्यस्था की शरण में बहुत कम आते है, जिसके कारण दर्ज किये गए रिपोर्टो की संख्या कम होती है।

   अतः विकल्प C सही चयन है।

3. **"एनसीआरबी के मुताबिक साल 2016 में ...."** गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि रिपोर्ट में आई मामलो में कमी का मूल कारण गद्यांश में वर्णित नहीं है, अपितु गद्यांश में वर्णित निष्कर्ष खुद भारत और भारत की व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है।

   अतः सही चयन विकल्प E होगा।

4. **"ध्यान रहे, सरकारी कोशिशों के इसी पैमाने। ..."** गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि दिए गए रिपोर्टो में चीन को टियर-3 की श्रेणी में रखा गया है।

   अतः सही चयन विकल्प A होगा।

5. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "संभावना" का मूल शब्द भावना तथा उपसर्ग "सम्" है।

   संभावना = "सम् + भावना"

   अतः विकल्प D सही चयन है।

6. **"एनसीआरबी के मुताबिक साल 2016 ...."** गद्यांश के इस खंड के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2016 में सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए थे।

   अतः विकल्प A सही चयन है।

7. उपरोक्त गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "साक्ष्य" का अर्थ होता है - प्रमाण अथवा वह जो दिखाई दे।

   अतः अदृश्य का अर्थ होता है - न दृश्य, अर्थात जो दृश्य दिखाई न देता हो।

   अतः सही चयन विकल्प D होगा।

Smartkeeda The Question Bank

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "मानक" का अर्थ होता है मापदंड अर्थात पैमाना। दिए गए विकल्पों में सभी शब्द "मानक" के समान अर्थ प्रकट करते है।

अतः सही चयन विकल्प E होगा।

9. **"ध्यान रहे, सरकारी कोशिशों के इसी पैमाने पर रिपोर्ट ने पाकिस्तान..."** गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि आज भी भारत ह्यूमन-ट्रैफिकिंग का अहम् ठिकाना है।

अतः विकल्प A सही चयन है।

10. उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि इसमें ह्यूमन-ट्रैफिकिंग का जिक्र है, गद्यांश में भारत के साथ साथ अन्य देशो का भी जिक्र है, अतः विकल्प B और D सही चयन नहीं होगा। गद्यांश ने अंतिम भाग में रिपोर्ट को जहाँ एक तरफ दिखाया गया है, वहीं लेखक दूसरी तरफ इस बात से संशय में है कि क्या सच में असली वास्तिवकता यही है या कुछ अलग। गद्यांश में जहाँ एक तरफ इस बात पर मतभेद है कि ट्रैफिकिंग के शिकार हुए लोगों की संख्या और उनके द्वारा दर्ज किये गए मामलो में भारी अंतर है। साथ ही ट्रैफिकिंग के लिए कठोर कानून व्यवस्था का न होना लोगों को इस जाल में और धकेल रहा है।

इन सभी निष्कर्षो को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है की सटीक शीर्षक "ह्यूमन-ट्रैफिकिंग : खोह में जाती जिंदगियां" होना चाहिए।

अतः विकल्प C सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank

Presents

TestZone

India's least priced Test Series platform

JOIN

ALL BANK EXAMS

2020-2021 Test Series

@ Just

₹ 599/-

300+ Full Length Tests

- Brilliant Test Analysis
- Excellent Content
- Unmatched Explanations

JOIN NOW